

## अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषदों के सचिवों की क्षेत्रीय वार्ता

### प्रलिस के लिये:

[भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद \(ICCR\)](#), ह्यूमेनटिरियन एयर कॉरडोर, [अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता](#), [राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार](#), [UNSCR 2593](#), [रणनीतिक साझेदारी समझौता](#)

### मेन्स के लिये:

भारत-अफगानिस्तान संबंध और क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति तथा समृद्धि पर इसका महत्त्व

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषद के सचिवों/राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) की छठी क्षेत्रीय वार्ता बश्केक, करिगिस्तान में आयोजित की गई।

- भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिये [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प](#) में उल्लिखित समाधान जो की आतंकवाद की रोकथाम के लिये संयुक्त प्रयासों का आह्वान करता है, को दोहराया।

### अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता क्या है?

- [अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता](#) का आशय उच्च स्तरीय बैठकों की एक शृंखला से है जिसमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान, चीन, रूस, भारत और अन्य मध्य एशियाई राज्यों सहित संबंध क्षेत्र के देशों के [राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार \(NSA\)](#) अथवा वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी शामिल होते हैं।
- ये वार्ता सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और अफगानिस्तान तथा अन्य संबंध क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये क्षेत्रीय दृष्टिकोणों पर चर्चा तथा समन्वय स्थापति करने के लिये मंच प्रदान करते हैं।
- अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में [UNSCR 2593](#) के उद्देश्य का अनुसरण किया जाता है।
  - [15-सदस्यीय देशों \(UNSC\)](#) द्वारा पारित यह प्रस्ताव, अफगान क्षेत्र का किसी भी राष्ट्र के वरिष्ठ खतरे उत्पन्न करने अथवा हमला शुरू करने के लिये इस्तेमाल होने से रोकने का आह्वान करता है।
  - सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा प्रस्ताव का अंगीकरण करना अफगानिस्तान के संबंध में दृढ़ संकल्पों को प्रदर्शित करता है।
- यह अफगानिस्तान के भीतर आतंकवाद की रोकथाम की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है।

### अफगानिस्तान के नविसयों के लिये भारत द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं?

- [भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद \(ICCR\)](#) ने अगस्त 2021 से 600 अफगान लड़कियों सहित 3,000 से अधिक छात्रों को प्रवेश देकर शिक्षा को बढ़ावा देने में सहायता प्रयास किया है।
- आवाजाही में सुगमता के लिये [दिल्ली](#) और [काबुल](#) के बीच एक [ह्यूमेनटिरियन एयर कॉरडोर](#) निर्मित किया गया है।
  - यह गलियारा [आवगमन](#) और [सहायता वितरण](#) की सुविधा प्रदान करता है जो मानवीय आवश्यकताओं के प्रति भारत की सक्रिय प्रतिक्रिया को प्रदर्शित करता है।
- भारत ने मानवीय सहायता की कई खेप की आपूर्ति की है जिसमें 50,000 मीट्रिक टन गेहूँ, 250 टन चिकित्सा सहायता तथा 28 टन भूकंप राहत सहायता शामिल है।
- भारत ने अफगान ड्रग उपयोगकर्ता आबादी, विशेषकर महिलाओं के कल्याण हेतु सहायता प्रदान करने के लिये अफगानिस्तान में [संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय \(UNODC\)](#) के साथ साझेदारी की है।

- इस साझेदारी के तहत, भारत ने वर्ष 2022 से UNODC, काबुल को 11,000 यूनिट्स स्वच्छता कटि, शशि आहार, कंबल, कपड़े, चकितिसा सहायता और अन्य वविधि वस्तुओं की आपूर्तकी है।
- भारत और अफगानसितान वशिष रूप से चाबहार बंदरगाह के माध्यम से व्यापार तथा संचालन जारी रखते हैं।

## भारत-अफगानसितान संबंधों को प्रभावित करने वाले मुख्य मुद्दे क्या हैं?

- क्षेत्रीय स्थिरता पर प्रभाव: अफगानसितान (गोलडन करीसेंट) से होने वाला नशीली दवाओं का व्यापार क्षेत्र में अस्थिरता और हसिा में एक प्रमुख योगदानकर्त्ता रहा है, जो अफगानसितान एवं भारत जैसे पड़ोसी देशों दोनों के लिये चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।
- भारतीय हति एवं प्रभाव: वर्ष 1996 में तालबिन द्वारा काबुल पर कब्ज़ा करने के बाद, क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों और प्रभाव को झटका लगा।
- आर्थिक एवं बुनियादी ढाँचे की बाधाएँ: तालबिन के हाथों अफगानसितान पर नयितरण (2021) ने सलमा बाँध एवं संसद भवन जैसे बुनियादी ढाँचे के निर्माण के साथ-साथ देश में नविश करने के भारत के प्रयासों में अत्यधिक बाधाएँ प्रस्तुत कीं। ये प्रयास सुरक्षा चिंताओं, भ्रष्टाचार एवं वभिन्न अन्य चुनौतियों के कारण बाधित हुए हैं।
- भारतीय नागरिकों पर आक्रमण: काबुल में ISIS-K द्वारा दावा किए गए सखि गुरुद्वारे पर बमबारी ने भारत के लिये चिंता बढ़ा दी है।
- सुरक्षा गतशीलता में परिवर्तन: अगस्त 2021 तक, भारत अपनी सुरक्षा के लिये काबुल में एक मतिरवत सरकार और अफगानसितान में संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा उपस्थिति पर नरिभर था।
  - अफगानसितान से अमेरिका की वापसी के कारण भारत द्वारा सुरक्षा परदृश्य का सावधानीपूर्वक पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक हो गया।



## अफगानसितान के साथ भारत के संबंध कैसे हैं?

- इतिहास:
  - अफगानसितान के प्रति भारत की नीतिसदियों पुराने ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत संबंधों में नहिति है।
    - भारत, ऐतिहासिक रूप से अफगानसितान के साथ अपेक्षाकृत अच्छे संबंध रहे हैं, जो वर्ष 1950 की मैत्री संधि से चले आ रहे हैं।
  - एक निकटवर्ती पड़ोसी के रूप में, भारत के अफगानसितान में वैध आर्थिक और सुरक्षा हति हैं।
- आर्थिक संबंध:
  - सभी 34 प्रांतों में व्याप्त लगभग 500 परियोजनाओं के माध्यम से, भारत ने वदियुत ऊर्जा, जल आपूर्ति, सड़क कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य देखभाल, शकिषा, कृषि और कषमता निर्माण जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में 3 बलियिन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नविश किया है।
  - भारतीय सेना के सीमा सड़क संगठन (Border Roads Organisation- BRO) ने वर्ष 2009 में सुदूर अफगान प्रांत नमिरोज़ में एक प्रमुख सड़क का निर्माण किया, जो डेलाराम को जंरंज से जोड़ती है।
    - यह ईरान में चाबहार बंदरगाह के माध्यम से अफगानसितान तक माल की शुल्क-मुक्त आवागमन के लिये एक व्यवहार्य वैकल्पिक मार्ग साबित हुआ है।
  - अफगान व्यापारियों को दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौते के तहत टैरिफ रियायतें प्रदान की जाती रहेंगी।
  - सलमा बाँध, अफगान-भारत मैत्री बाँध (Afghan-India Friendship Dam- AIFD) पश्चिमी अफगानसितान के हेरात प्रांत में हरि नदी पर स्थिति एक जलवदियुत और सचिाई बाँध परियोजना है।

- वर्ष 2006 में, भारत ने इस परियोजना को पूरा करने के लिये वित्त पोषण की प्रतिबद्धता जताई।

#### ■ राजनयिक संबंध:

- भारत-अफगानिस्तान संबंध [रणनीतिक साझेदारी समझौते](#) से मज़बूत हुए हैं, जसि पर **अक्टूबर 2011** में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किये गए थे।
- दोनों पक्षों के बीच **रणनीतिक साझेदारी समझौता (Strategic Partnership Agreement- SPA)** अफगानिस्तान की **अवसंरचना और संस्थानों, शिक्षा एवं तकनीकी सहायता** के पुनर्निर्माण में सहायता प्रदान करता है।
- भारत **अफगान के लोकतंत्र** का प्रबल समर्थक रहा है और उसने **नरिंतरस्थिति, शांतिपूरण तथा समृद्ध अफगानिस्तान की स्थापना का समर्थन** किया है।

#### ■ मानवीय सहायता:

- **कोविड-19** की वैश्विक महामारी और खाद्य सुरक्षा से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिये भारत वर्ष **2020 में अफगानिस्तान को 75,000 मीट्रिक टन गेहूँ** उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध रहा है।
  - भारत ने वर्ष **2020 में** अफगानिस्तान सरकार को **हाइड्रॉक्सी-क्लोरोक्वीन, पेरासिटामोल** की **गोलियों** और सर्जिकल ग्लव्स/दस्ताने की भी आपूर्ति की है।
- लगभग **1.5 मिलियन स्कूली बच्चों** को अनाज और बसिकुट दोनों के रूप में **11 लाख टन गेहूँ** की खाद्य सहायता का प्रावधान किया गया।
- अनावृष्टि/सूखे के दौरान विशेष रूप से बच्चों के लिये खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने की दृष्टि में भारत ने वर्ष 2018 में अफगानिस्तान को **2000 टन दालें** वितरित कीं।
- भारत ने वर्ष 2015 में काबुल में एक मेडिकल डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थापना की, जो अफगानी बच्चों को नवीनतम नैदानिक सुविधाएँ प्रदान करता है और भारत के लिये सद्भावना पैदा करता है।

## भारतीय सांस्कृतिक संबंध परषिद क्या है?

- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परषिद (ICCR) विदेश मंत्रालय के तहत भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है। इसकी स्थापना विदेशों में भारतीय संस्कृति और इसके मूल्यों को बढ़ावा देने तथा भारत एवं अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- इसकी स्थापना वर्ष **1950 में स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद** ने की थी।
- ICCR को वर्ष 2015 से विदेशों में भारतीय मशिनों/केंद्रों द्वारा **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** के उत्सव को सुविधाजनक बनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

## नषिकर्ष

- अफगानिस्तान के साथ भारत के गहरे ऐतिहासिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंध देश की स्थिरता तथा समृद्धि के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।
- रणनीतिक साझेदारी, महत्त्वपूर्ण नविश और मानवीय सहायता के माध्यम से, भारत अफगानिस्तान की विकास यात्रा का समर्थन करने में आवश्यक भूमिका निभा रहा है।
- सद्भावना को बढ़ावा देकर और आवश्यक सेवाएँ प्रदान करके, भारत क्षेत्रीय शांति तथा सुरक्षा में योगदान करते हुए, अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों को मज़बूत करता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर वचिर कीजिये: (2022)

1. अज़रबैजान
2. करिगज़िस्तान
3. तजाकस्तान
4. तुर्कमेनस्तान
5. उज़्बेकस्तान

उपर्युक्त में से कनिकी सीमाएँ अफगानिस्तान के साथ लगती हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 5
- (b) केवल 1, 2, 3 और 4
- (c) केवल 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (c)

**??????:**

प्रश्न. वर्ष 2014 में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता बल (ISAF) की अफगानिस्तान से प्रस्तावित वापसी क्षेत्र के देशों के लिये बड़े खतरों (सुरक्षा उलझनों) भरा है। इस तथ्य के आलोक में परीक्षण कीजिये कि भारत के सामने भरपूर चुनौतियाँ हैं तथा उसे अपने सामरिक महत्त्व के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है। (2013)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/regional-dialogue-of-secretaries-of-security-councils-on-afghanistan>

